निर्णय प्रक्रिया
(DECISION MAKING)

पारिवारिक जीवन हो अथवा व्यक्तिगत जीवन, समस्याएँ उत्पन्न होती ही रहती हैं। इनका समाधान करना भी आवश्यक है क्योंकि बिना समस्याओं का समाधान किए आगे का कार्य करना संभव नहीं होता। समस्याएं कार्य को सफलतापूर्वक निपटाने में बाधा उत्पन्न करती हैं। अतः समस्याओं के समाधान हेतु सही समय पर उचित निर्णय लेना आवश्यक है। निर्णय का अर्थ ही होता है—सभी सम्भावित विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन करना। निर्णय लेने का शाब्दिक अर्थ काट देने से लगाया जाता है। अर्थात् इसके टक्कर का कोई और दूसरा विकल्प नहीं है। व्यावहारिक दृष्टि से इसका अर्थ किसी निष्कर्ष पर आने से लगाया जाता है। यथार्थ में निर्णय एक चयन प्रक्रिया है। जब व्यक्ति के पास किसी कार्य को करने के लिए मात्र एक ही तरीका, विकल्प या मार्ग उपलब्ध रहता है तब निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती, जैसे आगरा से जाने के लिए केवल एक ही ट्रेन है और उसका समय रात्रि 11 बजे है। ऐसी परिस्थिति में आगरा से हरिद्वार तक की यात्रा करने वाले व्यक्ति के सामने निर्णय लेने की आवश्यकता महसूस ही नहीं होती क्योंकि विकल्प एक से ज्यादा है ही नहीं, बाध्य होकर उसे ट्रेन से ही यात्रा करनी पड़ेगी। इसके विपरीत व्यक्ति के पास कार्य करने के अनेक तरीके या विकल्प उपलब्ध होते हैं तथा इनमें से श्रेष्ठ विकल्प का चयन करना होता है तब निर्णय की स्थिति उत्पन्न होती है। इनमें से कौन-सा तरीका या विकल्प सर्वोत्तम है इसका चयन किया जाना ही निर्णय लेना कहलाता है। प्रसिद्ध विद्वान **ड्रकर** के अनुसार "निर्णयन विभिन्न विकल्पों के मध्य-चयन है।"

पारिवारिक जीवन की कुछ समस्याएँ साधारण होती हैं जिसका समाधान सरल होता है। उसके लिए अधिक विचार करने की जरूरत नहीं होती है परंतु कुछ समस्याएँ जटिल तथा क्लिष्ट होती हैं जिनके समाधान के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लेना बहुत जरूरी होता है। उदाहरण के लिए कार्यस्थल पर कौन-सी साड़ी पहनकर जानी है। दोपहर के खाने में क्या बनेगा आदि समस्याएँ प्रतिदिन की समस्याएँ हैं जिसका समाधान भी आसान है। वास्तव में ये समस्याएँ हैं ही नहीं इनका सामान्य तो प्रत्येक व्यक्ति या परिवार अपने दैनिक जीवन में रोज ही करता है जबकि जटिल समस्याएँ जीवन में कभी-कभार ही आती हैं और उनका समाधान भी विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना जरूरी है, जैसे—लड़की की शादी, मकान बनवाना, लड़के के लिए दुल्हन का चुनाव, बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाना आदि।

निर्णय प्रक्रिया प्रबंध का प्राथमिक और सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। यह गृह प्रबंध का हृदय है। यह एक केंद्र बिंदु है जिसकी परिधि के रूप में गृह प्रबंध चलती है। भावी कार्यक्रम के प्रति निर्णय एक प्रकार से पूर्वानुमान है। उचित निर्णय लेने के लिए यह जरूरी है कि भावी परिस्थितियों तथा कार्यक्रमों के बारे में कल्पना शक्ति द्वारा पूर्वानुमान लगाया जाए।

निर्णय प्रक्रिया की परिभाषाएँ (Definitions of Decision Making)

जॉर्ज आर. टेरी के शब्दों में, "निर्णय लेना किसी कसौटी पर आधारित दो से अधिक संभावित विकल्पों में से किसी एक का चयन है।"

ऐलन के शब्दों में, "निर्णयन वह कार्य है जिसे एक प्रबंधक किसी निर्णय पर पहुँचने के लिए करता है।"

निकेल एवं डार्सी के शब्दों में, "निर्णय प्रक्रिया की धारणा में समस्याओं को परिभाषित करना, खोज करना, तुलना करना और क्रिया की विधि का चयन करना सम्मिलित है। इस प्रकार निर्णय प्रक्रिया किसी समस्या के हल के लिए अनेक संभावित विकल्पों में से किसी एक का चयन है।"

डी. ई. मैक्फरलैण्ड के शब्दों में, "निर्णय लेना चुनने की एक क्रिया है जिसके द्वारा अधिशासी एक दी हुई परिस्थिति में क्या किया जाना चाहिए, इस संबंध में निष्कर्ष पर पहुँचता है। निर्णय किसी व्यवहार का प्रतिनिधित्व करता है जिसका चयन अनेक संभव विकल्पों में किया जाता है।"

ग्रॉस एवं क्रैन्डल के शब्दों में, "प्रबंध प्रक्रिया के विभिन्न चरण वस्तुत: निर्णयों की शृंखला मात्र है जिसमें प्रत्येक निर्णय अंतिम निर्णय पर आधारित होते हैं।"

ब्रेटन के शब्दों में, "निर्णय प्रक्रिया गृह व्यवस्था की सबसे छोटी इकाई है किंतु यह भौतिक विज्ञान के अणु के समान है।"

निर्णय की विशेषताएँ
(CHARACTERISTICS OF DECISION MAKING)

(1) निर्णय में विभिन्न विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन किया जाता है।

(2) पर्याप्त विचार-विमर्श एवं चिन्तन के पश्चात् ही निर्णय लिये जाते हैं।

(3) विकल्पों के मध्य किया गया चुनाव स्वतंत्रतापूर्वक बिना किसी बाह्य दबाव के किया जाता है।

(4) यह विवेकपूर्ण होते हैं, अर्थात् किसी कारण पर आधारित होते हैं।

(5) सामान्यत: अन्तिम चुनाव या समस्या के हल पर पहुँचने से पहले विचार करते हैं, गणना करते हैं और कारणों की व्याख्या करते हैं।

(6) यह अधिकांशत: उद्देश्यात्मक होते हैं, अर्थात् अन्त तक पहुँचने के उद्देश्य से सम्बन्धित होते हैं।

(7) समस्या का हल हमें इच्छित लक्ष्य या अन्त तक पहुँचने हेतु प्रभावशाली तरीका प्रदान करता है।

(8) निर्णय में समय तत्व महत्वपूर्ण होता है।

(9) निर्णय वास्तविक होते हैं।

(10) निर्णय में समय तत्व महत्वपूर्ण होता है।

(11) निर्णय के लिए ज्ञान, कौशल व अनुभव की आवश्यकता होती है।

(12) प्रत्येक सम्भावित क्रिया की विधि का अन्तिम परिणाम अनिश्चित होता है।

(13) निर्णय एक साधन है, साध्य नहीं।

(14) निर्णय प्रक्रिया का केन्द्रीय तत्व वचनबद्धता है।

(15) यह आधारीय रूप से मानवीय प्रक्रिया है और बौद्धिक क्रियाओं का एक प्रकार है।